हिन्दुस्तान

12 साल में हो चुकी डेढ़ लाख से अधिक सर्जरी

सफलता

ऋषिकेश, वरिष्ठ संवाददाता। एम्स ऋषिकेश में विभिन्न तरह की शल्य चिकित्सा सेवाओं के विस्तार के साथ-साथ माइनर व मेजर श्रेणी की शल्य चिकित्सा की संख्या में भी साल दर साल इजाफा हो रहा है।

अस्पताल में अब तक डेढ़ लाख से अधिक छोटे-बड़े स्तर के ऑपरेशन किए जा चुके हैं। अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए मामूली खर्च पर सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण से लेकर बड़े स्तर की जांच संबंधी लगभग सभी तरह की जरूरी सुविधाएं मौजूद हैं। संस्थान में वर्ष 2013 में मरीजों की सुविधा के मद्देनजर ओपीडी सेवाएं प्रारंभ की गई, जबकि वर्ष-2014 से विभिन्न सामान्य शल्य चिकित्सा सेवाओं व सुपरस्पेशलिटी श्रेणी की शल्य चिकित्साएं (मेजर व माइनर ओटी) शुरू कर दी गई। 2014 में महज 867 विभिन्न श्रेणियों की शल्य चिकित्सा ऑपरेशन से शुरू हुआ यह आंकड़ा 12 वर्ष के समयांतराल में वर्ष 2025-26 में डेढ़ लाख से अधिक पहुंच गया है। एम्स संस्थान वर्तमान में शल्य चिकित्सा से जुड़े डेढ़ दर्जन से अधिक विभागों में मरीजों को इस तरह की सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। एम्स अस्पताल में माइनर एवं मेजर शल्य चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करा रहे विभागों में बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी, डेंटिस्ट्री, सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग, ईएनटी, न्यूरो सर्जरी, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग, आर्थोपेडिक, नेत्र रोग विभाग, पीडियाट्रिक सर्जरी शामिल हैं।

इसके अलावा सर्जिकल ओंकोलॉजी हेड एंड नेक, सर्जिकल ओंकोलॉजी, सर्जिकल गैस्ट्रो, यूरोलॉजी, ट्रामा सर्जरी, ट्रामा आर्थो, डर्माटोलॉजी, आर्थोपेडिक, ब्रेस्ट-एन्डो सर्जरी सहित विभिन्न विभागों की माइनर एवं मेजर श्रेणी की शल्य चिकित्सा सेवाएं शामिल हैं।

> एम्स ऋषिकेश संस्थान मरीजों को सभी तरह की विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं प्रतिबद्धता से उपलब्ध करा रहा है। अस्पताल में आने वाले मरीजों की जरूरत के मद्देनजर समय-समय पर चिकित्सकीय एवं परीक्षण संबंधी सेवाओं को विस्तारीकृत किया जा रहा है। कोशिश है कि एम्स में उपचार के लिए आने वाले पेशेंट्स को महानगरों में महंगे इलाज को न जाना पड़े। **-प्रो. मीनू सिंह,** निदेशक एवं सीईओ एम्स ऋषिकेश

दैनिक जागरण

एम्स ऋषिकेश में डेढ़ लाख सफल आपरेशन हुए

ऋषिकेश: अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश में पिछले 12 वर्षों में अब तक डेढ़ लाख से अधिक सफल आपरेशन हो चुके हैं। एम्स प्रशासन की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2013 में संस्थान में सर्वप्रथम ओपीडी सेवा की शुरुआत हुई, जबकि वर्ष 2014 में विभिन्न सामान्य व सुपरस्पेशलिटी श्रेणी की शल्य चिकित्सा सेवाएं (मेजर व माइनर ओटी) शुरू की गईं। एम्स ऋषिकेश की निदेशक एवं सीईओ प्रो. डा. मीनू सिंह ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य आम मरीजों को विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पहुंचाना है। अस्पताल में मरीजों की आवश्यकतानुसार चिकित्सकीय एवं परीक्षण आदि सेवाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। संस्थान का प्रयास है कि एम्स में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को महानगरों में महंगे उपचार और आवागमन की समस्या का सामना न करना पड़े।

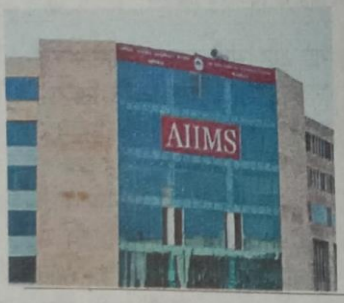

- एम्स प्रशासन की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2013 में ओपीडी सेवा शुरू हुई
- वर्ष 2014 में विभिन्न सामान्य व सुपरस्पेशलिटी श्रेणी की शल्य चिकित्सा सेवाएं शुरू की गईं